सांध्य दैनिक

4PM

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 297 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 4 दिसम्बर, 2021

यदि आप दूसरों की मदद कर सकते हैं तो अवश्य करें, यदि नहीं कर सकते हैं तो कम से कम उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाइए।

-दलाई लामा

कोरोना के नए वेरिएंट पर यूपी में अलर्ट... 7 | अकेले दम पर चुनाव लड़ने को... 3 | बुलडोजर चला तो सिर्फ माफिया... 2

किसान आंदोलन पर मंथन, राकेश टिकैत बोले

चाहिए एमएसपी पर गारंटी और मुआवजा

किसान नेता ने जताई समाधान की उम्मीद

» कुंडली बॉर्डर पर संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक में पहुंचे किसान नेता

» अहम निर्णय ले सकता है मोर्चा, कई मांगों को लेकर हुई बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कृषि कानूनों की वापसी के बाद संयुक्त किसान मोर्चा की अहम बैठक आज कुंडली बॉर्डर पर हुई। इसमें आंदोलन को लेकर मंथन जारी है। बैठक से पहले किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि एमएसपी की हमारी मांग भारत सरकार से है। बातचीत अभी शुरू हुई है, देखते हैं इसका क्या निष्कर्ष निकलेगा। अभी कोई रणनीति नहीं बनाई है, हम अपने मुद्दों और आंदोलन को लेकर चर्चा करेंगे। एमएसपी पर गारंटी और पंजाब की तरह हमें किसानों की मौत व रोजगार के लिए राज्यवार मुआवजा चाहिए।

राकेश टिकैत ने कहा है कि आज की बैठक से कुछ उम्मीद है। मीटिंग में सीड बिल, ट्रैक्टर, बिजली, कमेटी गठन पर भी बात होगी। इस पर सभी एक मत हैं। टिकैत ने कहा कि हरियाणा सरकार से कल बात हुई है लेकिन केंद्र सरकार से कोई बात नहीं हुई। हमारी चिट्ठी का जवाब भी नहीं मिला है। वहीं किसान नेता रणजीत सिंह राजो ने कहा कि किसान घर तो जाना चाहते हैं, लेकिन कब जाना है और कैसे जाना है, यह मोर्चा तय करेगा। उन्होंने कहा कि तीन कानून वापस हो गए हैं, लेकिन एमएसपी की गारंटी समेत 6 मुद्दे अभी बाकी है।

बेनतीजा रही बैठक

इससे पहले शुक्रवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के घर पर राज्य सरकार के साथ लंबी मीटिंग हुई लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला। राज्य सरकार ने किसानों पर दर्ज मामले को वापस लेने समेत दूसरे मांगों पर विचार करने के लिए किसान नेताओं को बुलाया था लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला। किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी ने कहा कि इतनी लंबी बैठक के बाद भी कोई सहमति नहीं बनी है।

कानून बनाने की मांग

पिछले एक साल से किसानों का आंदोलन जारी है। केंद्र सरकार द्वारा कृषि कानूनों को वापस लेने के बाद अब दिल्ली के अलग-अलग स्थानों पर प्रदर्शन कर रहे किसान एमएसपी पर गारंटी के लिए कानून बनाने की मांग कर रहे हैं।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

सिंघु बॉर्डर पर प्रदर्शन

सिंघु बॉर्डर पर संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक शुरू होने से पहले अलग-अलग राज्यों से आए किसानों ने गले में चैन डालकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। किसानों का कहना है कि एमएसपी पर सरकार कमेटी बना रही है लेकिन उन्हें कमेटी नहीं बल्कि गारंटी कानून चाहिए। सरकार की कमेटी पर उनको विश्वास नहीं है।

किसानों को आंदोलन जारी रखने के लिए किया जा रहा मजबूरः मोर्चा

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) समन्वय समिति के सदस्य डॉ. दर्शन पाल ने कहा कि केंद्र सरकार की तरफ से अभी तक कोई औपचारिक आश्वासन नहीं मिलने के कारण किसान अपनी लंबित मांगों के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में आंदोलन को वापस लेने के लिए 6 प्रमुख मांगें उठाई थीं मगर सरकार की ओर से अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। ऐसे में किसानों को आंदोलन जारी रखने के लिए बाध्य किया जा रहा है।

भाजपा के जुल्म को नहीं भूलेगी जनता : अखिलेश

यूपी विधान सभा चुनाव में भाजपा का सफाया तय

» सपा प्रमुख की अपील पर लखीमपुर किसान स्मृति दिवस पर जलाए गए दीप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने किसानों की शहादत को लेकर कहा कि तीन अक्टूबर 2021 को लखीमपुर खीरी में किसानों पर भाजपा नेताओं ने जीप चढ़ाकर हत्या की। ऐसी क्रूरता की जिसकी दूसरी मिसाल नहीं। किसानों की हत्या की इस वारदात से भाजपा की किसान विरोधी नीति और नीयत उजागर होती है, भाजपा ने क्रूरता में अंग्रेजों को भी पीछे छोड़ दिया।

जलियांवाला बाग की लोमहर्षक घटना की तुलना में मानवीय संवेदनाओं को भी भाजपा ने रौंद दिया।

उन्होंने ट्वीट किया कि 'लखीमपुर किसान स्मृति दिवस' मनाकर यूपीवालों ने बता दिया है कि वे न तो किसानों पर पीछे से किये गये वार को भूलेंगे, न किसानों की शहादत को और न ही भाजपा के जुल्म और अत्याचार को। भाजपा का सफाया तय है। गौरतलब है कि सपा प्रमुख की अपील पर लखीमपुर में किसानों की शहादत की स्मृति में प्रत्येक माह की तीन तारीख को दीप जलाकर स्मृति दिवस मनाने के क्रम में सपा मुख्यालय समेत पूरे प्रदेश में लोगों ने दीप दान किया।

विपक्षी गठबंधन से नहीं होगा नुकसान : शाह

» प्रचंड बहुमत से पार्टी की जीत का किया दावा

» वोटों के गणित का प्लस-माइनस से आंकलन ठीक नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी विधान सभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा के दिग्गज नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दावा किया कि भाजपा एक बार फिर से प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। पॉलिटिक्स फिजिक्स नहीं बल्कि केमिस्ट्री है और गठबंधन से भाजपा को नुकसान नहीं होगा।

एचटीएलएस समिट के दौरान ओमप्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और अखिलेश की समाजवादी पार्टी में गठबंधन और एंटी इनकंबेंसी से जुड़े एक सवाल के जवाब में अमित शाह ने कहा कि गठबंधनों से वोटों के गणित का प्लस-माइनस करना सही नहीं है। पॉलिटिक्स फिजिक्स नहीं है, केमिस्ट्री है। जब दो पार्टियां मिलती हैं तो दोनों के वोट का योग हो जाएगा, प्लस होकर इतना बढ़ जाएगा, यह

आंकलन मेरे हिसाब से ठीक नहीं है। दो केमिकल मिलते हैं तो कोई तीसरा केमिकल बनता है और इसे हम पहले भी देख चुके हैं। उन्होंने कहा कि पहले जब सपा और कांग्रेस का गठबंधन हुआ तब भी यही कहते थे। जनता जागरूक हो चुकी है। यूपी में प्रचंड बहुमत से भाजपा जीतेगी। यूपी चुनाव में किसान आंदोलन का असर होगा या नहीं, इस पर उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन का पहले भी असर कम था मगर अब तो कारण ही नहीं रहा क्योंकि पीएम मोदी ने कृषि कानूनों को वापस ले लिया है। पंजाब चुनाव पर शाह ने कहा कि हमारी कैप्टन अमरिंदर सिंह से भी बात चल रही है। हो सकता है हमारा गठबंधन हो।

बुलडोजर चला तो सिर्फ माफिया के अवैध निर्माण पर: केशव प्रसाद मौर्य

» लुंगी व जालीदार टोपी वालों से भाजपा ने दिलाई निजात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा भाजपा ने लुंगी और जालीदार टोपीवालों से निजात दिलाई है। अब किसी के जमीन पर कब्जा नहीं होता, अपहरण नहीं होता है। आपके घरों पर चढ़कर कोई धमका नहीं सकता। इस बात को आम जनता को याद रखना होगा। इस बात को याद रखते हुए ही विधान सभा चुनाव 2022 में मतदान करें।

डिप्टी सीएम केशव प्रयागराज में भाजपा के मंडलीय व्यापारी सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि उनकी सरकार आई तो बुलडोजर वापस हो जाएंगे। यानी क्या होने वाला है, आप आकलन कर लें। क्या भाजपा ने किसी किसान, आम आदमी या व्यापारी के निर्माण पर बुलडोजर चलाया, नहीं। भाजपा का बुलडोजर चला तो माफिया के अवैध निर्माण पर। उन्हीं खाली कराई गई जमीनों पर अब घर बनेंगे और गरीबों को मिलेंगे। वहीं एक मंच पर उप मुख्यमंत्री केशव, कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह और नंद गोपाल गुप्त नंदी का आना भी राजनीतिक गलियारे में चर्चा का विषय रहा। इसे आगामी विधान सभा चुनाव को लेकर भी देखा जा रहा है।

भाजपा सरकार श्रमिकों के कल्याण को कर रही कार्य

भाजपा के महानगर श्रम प्रकोष्ठ के तत्वावधान में श्रम चौपाल एवं सहभोज का आयोजन लूकरगंज (निकट बनर्जी चौराहा) में किया गया। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार श्रमिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत श्रमिकों के लिए कार्य कर रही है। भाजपा की जो भी योजनाएं हैं आज सबसे ज्यादा अगर किसी को लाभ पहुंच रहा है तो वह गरीब निर्धन निर्बल जरूरतमंदों लोगों को। इस अवसर पर उन्होंने श्रमिको के साथ सह भोज भी किया। भाजपा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर पर श्रमिकों को लाभांश के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत रजिस्ट्रेशन भी कराया गया।

नोएडा में बनने वाला उत्कृष्टता केंद्र देगा डेढ़ लाख रोजगार

प्रदेश में नोएडा में आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) पर स्थापित किए जाने वाले सेंटर आफ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्र) की मदद से पांच साल में 250 स्टार्ट अप स्थापित किए जाएंगे। यह स्टार्ट अप आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग में स्थापित होंगे। यह जानकारी उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने दी। विधान भवन में आईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने इस सेंटर की वेबसाइट का शुभारंभ किया। वेबसाइट पर इस सेंटर से जुड़ी सभी जानकारी उपलब्ध रहेंगी। डा. दिनेश शर्मा ने बताया कि आईआईटी कानपुर व भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ के सहयोग से उप्र सरकार इस सेंटर को स्थापित कर रही है। यहां युवाओं को उद्यमी बनाने के लिए सभी संसाधन और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिलेगा। इस वेबसाइट की मदद से विद्यार्थियों व शोधकर्ताओं को एक प्लेटफार्म पर लाया जाएगा और नव प्रयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।

काशी और मथुरा पर भी बनाना चाहिए कानून : तोगड़िया

» संसद में कानून बनाए और काशी विश्वनाथ का सम्मान करे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

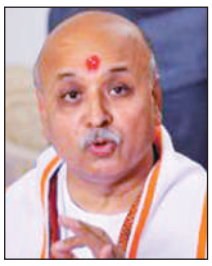

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया ने कहा कि हिंदुओं के संघर्ष से राम का मंदिर बन रहा है। यह आनंद की बात है। राम मंदिर आंदोलन शुरू हुआ था तब मैंने तीन बातें रखी थीं। हर हिंदू को खाना, सस्ती गुणवत्तायुक्त शिक्षा, युवा को रोजगार, किसान को फसल का दाम और जेहाद को मिट्टी में मिला दिया जाए ताकि मंदिर तोड़ने और देश तोड़ने वाले खड़े न हो सकें। तोगड़िया जौनपुर के रूहट्टा स्थित एक कांपलेक्स में आयोजित हिंदू धर्म रक्षा निधि अर्पण कार्यक्रम के पूर्व पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में है तो काम करना चाहिए। मथुरा-काशी के लिए भी कानून बनाना चाहिए। ट्रिपल तलाक पर कानून आ सकता है तो काशी, मथुरा के लिए भी आ जाए। मुझे विश्वास है इस कानून को लाने से चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश में लाभ होगा।

सरकार को चाहिए कि संसद में कानून बनाए और काशी विश्वनाथ का सम्मान करे। प्रवीण तोगड़िया ने कहा मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी के 17 साल के कार्यकाल में महंगाई बढ़ी है। गरीब और गरीब तथा मुठ्ठी भर पैसे वाले अमीर हो रहे हैं। गरीब और मध्यम वर्ग का विकास रुक गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में भी विकास हुआ। मनमोहन, अटल बिहारी और नरेंद्र मोदी की भी सरकार में काम हुए लेकिन गरीब की गरीबी बढ़ रही है। यह हम नहीं, सरकारी आंकड़े बताते हैं। सरकार को देश की अर्थतंत्र की पॉलिसी बदलनी होगी। जैसे राम मंदिर बनाने के लिए अभियान चलाया था, वैसे ही देश की आर्थिक समृद्धि, गरीबी मुक्त भारत, रोजगार युक्त युवा और कर्ज मुक्त किसान के लिए हम अभियान चलाएंगे। तोगड़िया ने कहा सरकार को अस्पताल में दवाई और बेड की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना होगा।

खर्च का ब्यौरा नहीं दिया, 200 से ज्यादा प्रत्याशी नहीं लड़ पाएंगे यूपी चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अगले साल होने जा रहे विधानसभा चुनाव में राज्य के कुल 257 लोग नहीं लड़ सकेंगे। केंद्रीय चुनाव आयोग ने इन लोगों को चुनाव लड़ने के अयोग्य करार दिया है। आयोग ने पिछले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में इन लोगों द्वारा चुनाव लड़ने और परिणाम आने के एक महीने बाद समय से और सही ढंग से अपने चुनावी खर्च का ब्यौरा आयोग को नहीं दिया।

जानकारी के अनुसार इन 257 लोगों में से 34 लोग 2019 का लोकसभा का चुनाव लड़े थे, बाकी 213 लोग 2017 में विधान सभा चुनाव के प्रत्याशी थे। हालांकि इन 257 लोगों में सर्वाधिक संख्या निर्दलीय उम्मीदवारों की ही है मगर कुछ प्रमुख

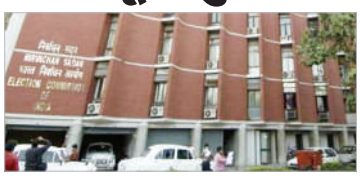

राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों ने भी पिछले विधान सभा चुनाव के परिणाम आने के बाद अपने चुनावी खर्च का ब्यौरा आयोग को समुचित ढंग से नहीं दिया या बिल्कुल नहीं दिया। इन प्रमुख दलों में सर्वाधिक 12 उम्मीदवार राष्ट्रीय लोकदल के थे। इसके बाद छह उम्मीदवार पीस पार्टी के, पांच एनसीपी के, चार-चार उम्मीदवार सीपीआई और बसपा के थे। जबकि एआईएमआईएम के दो व निषाद पार्टी के दो उम्मीदवार थे।

16 दिसंबर को देहरादून में होंगे राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी 16 दिसंबर को देहरादून पहुंचकर विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। उनके देहरादून आने का मकसद उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2022 के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश भरना है। ये बाते पूर्व सीएम हरीश रावत ने अल्मोड़ा में कहीं। पूर्व सीएम हरीश रावत अल्मोड़ा के भारत रत्न गोविंद बल्लभ पंत की जन्म खूंट पहुचे थे, जहां कार्यकर्ताओं ने रावत का भव्य स्वागत किया।

इस मौके पर हरीश रावत ने एक जनसभा को संबोधित कर कार्यकर्ताओं में जोश भरा और सत्ता में आने पर युवाओं, महिलाओं सहित कई वर्गों के लिए वादों की झड़ी लगा दी। हरीश रावत ने कहा परिवर्तन यात्रा का तीसरा चरण जल्दी ही

शुरू किया जाएगा। लोगों का परिवर्तन यात्रा में भारी संख्या में पहुंचना ही परिवर्तन के लक्षण हैं। साथ ही कहा कि युवाओं, महिलाओं और अन्य वर्गों के लिए कई पेंशन योजनाएं शुरू की जाएंगी। युवाओं को पहले साल से ही नौकरी देंगे और जिन्हें नौकरी नहीं दे पाएंगे, उन्हें बेरोजगारी भत्ता देंगे। लड़कियों को भी कहा कि पिछले कार्यकाल से अधिक महिलाओं को पुलिस में लिया जाएगा। इस मौके पर राज्यसभा सांसद प्रदीप टम्टा ने कहा कि राज्य में सत्ता परिवर्तन हो रही है। परिवर्तन यात्राओं से ही लग रहा है। कांग्रेस सरकार राज्य की सत्ता में आने पर दलितों और पिछड़े वर्गों के लिए अवसर बनाएंगे। इसके साथ ही कहा कि युवाओं को नौकरी का सपना दिखाकर मोदी सरकार ने धोखा दिया। महंगाई चरम पर है लेकिन मोदी सरकार लोगों को राहत नहीं दे रही है। इससे लगता है कि परिवर्तन उत्तराखंड देवभूमि से होगा। राज्य की जनता समझ चुकी है कि कांग्रेस ही लोगों के साथ न्याय कर सकती है।

एम एस पी चाल.....

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

'चुनाव के बाद फिर कृषि कानून लाएगी सरकार'

» कानपुर में बसपा कार्यकर्ता सम्मेलन में बोले सतीश चंद्र मिश्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। भाजपा सरकार ब्राह्मणों का उत्पीड़न कर रही है। प्रदेश में 500 से ज्यादा ब्राह्मणों की हत्या हो चुकी है। शादी के बाद भी अमर दुबे की पत्नी के हाथों की मेहंदी भी नहीं छूटी उसे अपराधी बताकर जेल भेज दिया गया। उसके साथ सरकार के इशारे पर अन्याय किया गया है। अब कुछ ही महीनों में यह अत्याचारी सरकार विदा होने वाली है। कार्यकर्ता गांव जाकर चुनाव की तैयारी में जुटे। ये बात चौबेपुर में आयोजित बसपा के एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन में राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने कही।

उन्होंने कहा प्रदेश में अपराध व महिला उत्पीड़न चरम पर है सरकार हर मुद्दे पर फेल हो चुकी है। जगह जगह लूट हत्या जैसी जघन्य घटनाएं हो रही हैं और सरकार अपराधियों को बचाने में जुटी है। उन्होंने ब्राह्मण कार्ड को आगे रखते हुए कहा कि प्रदेश में सबसे ज्यादा उत्पीड़न ब्राह्मणों का ही

गरीबों की हितैषी नहीं यह सरकार

बसपा के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा सपा जहां गुंडों की सरकार है। वहीं भाजपा सरकार में हत्या व फर्जी मुठभेड़ की घटनाएं किसी से छिपी नहीं हैं। महासचिव ने कहा कि हर जाति धर्म की एक बसपा ही एक पार्टी है। जबकि, भाजपा और सपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने कहा चुनाव नजदीक आते ही वोट बैंक को देखते हुए काले कानून को वापस लेने का निर्णय ले लिया। कोरोना काल को याद दिलाते हुए कहा कि सैकड़ों किलोमीटर गरीब महिलाओं ने पैदल चलकर अपने प्राण त्याग दिए और यह भाजपा सरकार गरीबों की हितैषी तक नहीं। इस सरकार की जल्द विदाई होगी।

हुआ है उनकी हत्या कराई गई हैं। 16 वर्षीय अमर दुबे की पत्नी को अपराधी बना दिया गया। ब्राह्मण समाज यह अन्याय देख रहा है। वह समय आने पर निर्णय लेगा। प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी है। कृषि के काले कानून को वापस लेने में भी सरकार चालबाजी कर रही हैं। चुनाव के बाद फिर से ऐसे कानून लगा देगी। प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि वह संकल्प ले लेकर बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाने के लिए गांव में अभी से तैयारी शुरू कर दें। इसके लिए बूथ कमेटी व पार्टी के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जाए। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री नकुल दुबे व जिलाध्यक्ष राम शंकर कुरील ने भी विचार रखे।

अकेले दम पर चुनाव लड़ने को कांग्रेस ने कसी कमर, खोज रही प्रत्याशी

यूपी में इसी माह घोषित होंगे प्रत्याशी

सूची में काफी संख्या में होंगे महिलाओं के नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव को लेकर यूपी कांग्रेस ने कमर कस ली है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने अकेले दम पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। इसी क्रम में कांग्रेस नेता प्रत्याशी खोजने में जुटे हुए हैं। कहा ये भी जा रहा है कि इस माह के अंत तक कांग्रेस अपने उम्मीदवारों को फाइनल कर देगी। इस बीच उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी चयन को लेकर बनी स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष पार्टी महासचिव जितेंद्र सिंह ने कहा कि यूपी में इसी महीने ज्यादातर सीटों पर प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए जाएंगे। इस सूची में महिलाओं के नाम काफी संख्या में होंगे। उन्होंने कहा कि यूपी में पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी।

फिलहाल, किसी अन्य दल के साथ तालमेल का विचार नहीं है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता चाहते हैं कि राहुल गांधी पार्टी के अध्यक्ष बनें। राहुल सर्वसम्मति से पार्टी अध्यक्ष बनेंगे। सभी नेता और कार्यकर्ता उन्हें पार्टी की कमान सौंपना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह वह खुद पश्चिमी यूपी के दौरे पर जा रहे हैं। वहां कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कर संभावित प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा करेंगे। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने पंचायत स्तर तक कांग्रेस की कमेटियां गठित की हैं। वहां डेडिकेटेड काल सेंटर शुरू किए गए हैं। यह सेंटर जमीनी हकीकत जांचते हैं। जितेंद्र सिंह ने आगे कहा कि असम में कार्यकर्ताओं के लिए राज्य व जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

ससुराल वालों से कांग्रेस महासचिव ने मांगी माफी

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी कल अपने ससुराल में थीं। पीतलनगरी मुरादाबाद में लम्बे अंतराल के बाद आने के कारण उन्होंने सभी से माफी मांगी। मुरादाबाद में कांग्रेस प्रतिज्ञा रैली में पहुंचीं प्रियंका ने कहा कि आप सभी लोगों का मेरे ससुराल में बहुत स्वागत है। ससुराल वालों मैं आपसे माफी चाहती हूं कि बहुत दिन बाद आयी हूं। आपके शहर ने मेरे परिवार को संरक्षण दिया। उनको खड़ा किया। देश के बंटवारे के बाद मेरे ससुर जी के पिता मुरादाबाद आये। यहीं से कारोबार शुरू किया। यहां के हुनर, यहां के लोगों की मदद से उन्होंने अपने बच्चों का भविष्य बनाया। मुरादाबाद पीतलनगरी के रूप में पूरी दुनिया मे जाना जाता है। मेरी शादी के वक्त यह एक खुशहाल शहर था। व्यापारियों से लेकर मजदूरों की मेहनत के साथ-साथ उस समय ऐसी सरकार थी, जिसने आपकी काफी मदद की। उसी समय में एक्सपोर्ट काउंसिल बनी, निर्यातकों को हर तरह से मदद दी गयी। मेरे पिता राजीव जी ने हर तरह से मदद की। उस समय आठ हजार करोड़ का निर्यात होता था। आज दो हजार का हो रहा है। इसके कारण दो लाख लोगों की रोटी-रोजी खत्म हुई।

कानपुर में पीएम मोदी की वजह से टली प्रियंका की रैली

कानपुर में कांग्रेस की यूपी प्रभारी व महासचिव प्रियंका गांधी की रैली असमंजस में पड़ गई है। पीएम मोदी के दौरे के चलते अब दिसंबर में नहीं, बल्कि जनवरी के पहले हफ्ते में प्रियंका गांधी की रैली होगी। कानपुर के निरालानगर स्थित रेलवे मैदान पर 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली को देखते हुए 19 दिसंबर को यहां प्रस्तावित कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी का कार्यक्रम टाल दिया गया। दरअसल, कांग्रेस पार्टी इसी मैदान पर प्रियंका की रैली कराने की तैयारी में थी, लेकिन रेलवे ने प्रधानमंत्री की सुरक्षा का हवाला देते हुए इससे इनकार कर दिया। इसके बाद कांग्रेसियों ने प्रियंका की रैली के लिए शहर के दूसरे मैदान भी देखे, लेकिन पसंद नहीं आया। ऐसे में अब दो जनवरी को प्रियंका की रैली प्रस्तावित है। रेलवे प्रशासन को जल्द ही निरालानगर मैदान के लिए अनुमति लेने का पत्र दिया जाएगा।

किसानों को मनाने की कवायद तेज, लॉन्च की एक और योजना

12 हजार करोड़ होंगे खर्च, बिना गारंटी उपलब्ध कराया जाएगा ऋण

47 लाख किसान होंगे लाभान्वित, आत्मनिर्भर बनाने का दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपनी तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी है। कृषि बिल वापसी के बाद अब प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों को मनाने की कवायद में जुट गयी है। इसके लिए सरकार एक और योजना शुरू करने जा रही है। सरकार का दावा है कि इससे किसान उद्यमी, किसान उत्पादक समूह (एफपीओ) या सहकारी व मंडी समितियां को छह प्रतिशत ब्याज पर दो करोड़ रुपये तक का बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इतना ही नहीं इससे अधिक धनराशि पर गारंटी देनी होगी।

प्रदेश सरकार की इस योजना को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। योजना से करीब 47 लाख किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। 12 हजार करोड़ की आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना के लागू होने से कृषि उद्योग और कृषक को बड़ा लाभ मिलेगा। सरकार आत्मनिर्भर योजना पर 2021-22 से 2031-32 तक के क्रियान्वयन पर लगभग 1220.92 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

केंद्र सरकार के एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआइएफ) के तहत यूपी को 12 हजार करोड़ आवंटित हुए हैं। इससे किसानों व उनके कल्याण से जुड़ी समितियों, संस्थाओं को तीन प्रतिशत वार्षिक ब्याज की रियायत यानी छह प्रतिशत पर सात वर्ष के लिए ऋण मिल सकेगा। योजना से करीब 47 लाख किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। 1500 सहकारी संस्थाओं (पैक्स) को एकमुश्त 60 करोड़ रुपये मार्जिन मनी सहायता दी जाएगी। इससे समस्त पैक्स एक प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर कृषि अवस्थापना के विकास के लिए 240 करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त कर सकेंगे। पैक्स के जरिए करीब 20 लाख से अधिक किसान सीधे लाभ पा सकेंगे।

हर ब्लाक में दो-दो एफपीओ का होगा गठन

सरकार का कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन पर विशेष जोर है। इसके तहत 2021-22 में 225, 2022-23 व 2023-24 में 625-625 एफपीओ का गठन करने की तैयारी है। इससे हर ब्लाक में करीब दो-दो एफपीओ का गठन हो जाएगा। प्रदेश में 825 विकासखंड हैं। इससे लगभग 14.75 लाख शेयर होल्डर किसान लाभान्वित होंगे।

अधिक पैदावार वाली फसलें होंगी चिन्हित

विभिन्न क्षेत्रों में अधिक पैदावार वाली फसलों को चिह्नित करके किसानों की आमदनी बढ़ाने में मदद की जाएगी। एफपीओ को फसल की कटाई के बाद आवश्यक अवस्थापना सुविधाओं के विकास तथा उद्यम स्थापना के लिए भी प्रोत्साहन भी मिलेगा। पोस्ट हार्वेस्ट अवस्थापना विकास के लिए पांच वर्ष में 1500 कृषक उत्पादक संगठनों को तथा निजी उद्यम स्थापना के लिए 5000 कृषक उद्यमियों को तीन प्रतिशत ब्याज की छूट पर सात वर्ष के लिए ऋण दिलाने का प्रस्ताव है। मंडी समितियों को कृषि अवस्थापना निधि के उपयोग के लिए मदद की जरूरत है। सरकार ने 27 मंडियों में किसानों के उपयोग से संबंधित अवस्थापना सुविधाओं के विकास पर 140 करोड़ रुपये निवेश की योजना तैयार की है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

महंगाई की मार और सरकार

कोरोना के बीच महंगाई आसमान छूने लगी है। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। खाद्य पदार्थ और सब्जियां भी महंगी हो चुकी हैं। इसके कारण आम आदमी की हालत बेहद खराब हो गयी है। सबसे अधिक परेशानी गरीबों को उठानी पड़ रही है। रही सही कसर बढ़ती बेरोजगारी ने पूरी कर दी है। वहीं महंगाई को नियंत्रित करने को लेकर केंद्र और राज्य सरकारें गंभीर नहीं दिख रही हैं। सवाल यह है कि महंगाई को नियंत्रित करने में केंद्र और राज्य सरकारें नाकाम क्यों हो रही हैं? लोगों की क्रय शक्ति लगातार घट क्यों रही है? रोजगार के नए साधन बढ़ाने पर जोर क्यों नहीं दिया जा रहा है? अर्थव्यवस्था को पूरी तरह बाजार के हवाले क्यों कर दिया गया है? क्या बेहतर क्रय शक्ति के बिना देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था रफ्तार पकड़ सकती है? क्या निजी कंपनियों और बाजार में सक्रिय व्यापारिक शक्तियों को मनमानी करने की इजाजत दी जा सकती है?

पिछले डेढ़ साल से कोरोना ने भारत समेत पूरे विश्व को अपनी चपेट में ले रखा है। अब नए वेरिएंट ओमिक्रॉन का खतरा मंडराने लगा है। कोरोना के कारण भारत की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ा। तमाम उद्योग धंधे और कारोबार ठप हो गए। पर्यटन उद्योग पूरी तरह चौपट हो गया। इसके कारण लाखों लोग बेरोजगार हो गए। मध्यमवर्ग के कई करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे चले गए। अब जब बाजार खुल गए हैं तो महंगाई बढ़ती जा रही है। तेल से लेकर खाद्य पदार्थों की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने का असर मालभाड़ा पर पड़ा। इससे बाजार में दूर-दराज से आने वाली तमाम वस्तुओं की कीमतों में इजाफा हो गया। वहीं आय के साधन नहीं होने के कारण लोगों की क्रय शक्ति कम हो गयी। बढ़ती बेरोजगारी ने लोगों को आर्थिक रूप से बेहद कमजोर कर दिया है। हालांकि जीडीपी में लगातार ग्रोथ हो रही है लेकिन इसका असर महंगाई पर पड़ता नहीं दिख रहा है। वस्तुओं के दाम कम नहीं हो रहे हैं। तमाम राज्य सरकारों ने तेल पर वैट का प्रतिशत कम किया है लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। उद्योगों को आर्थिक पैकेज देने के बाद भी वे रफ्तार नहीं पकड़ पा रहे हैं। इसके कारण रोजगार के नए साधन उत्पन्न नहीं हुए। लिहाजा स्थितियां बदतर होती जा रही है। यदि सरकार महंगाई को नियंत्रित करना चाहती है तो उसे जल्द कोई ठोस कदम उठाना होगा। इसके अलावा आय के साधनों का विकास करना होगा। स्थानीय स्तर पर संचालित लघु उद्यमों को आर्थिक सहायता देकर उनको आगे ले जाना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो क्रय शक्ति के अभाव में अर्थव्यवस्था सुस्त हो जाएगी।

सवाल यह है कि महंगाई को नियंत्रित करने में केंद्र और राज्य सरकारें नाकाम क्यों हो रही हैं? लोगों की क्रय शक्ति लगातार घट क्यों रही है? रोजगार के नए साधन बढ़ाने पर जोर क्यों नहीं दिया जा रहा है? अर्थव्यवस्था को पूरी तरह बाजार के हवाले क्यों कर दिया गया है? क्या बेहतर क्रय शक्ति के बिना देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था रफ्तार पकड़ सकती है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बेहतर अर्थव्यवस्था की बढ़ती उम्मीदें

प्रीतम बनर्जी

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) की वृद्धि दर 8.4 फीसदी रही है। इससे साफ जाहिर है कि हमारी अर्थव्यवस्था की सेहत बहुत अच्छी है। इस बढ़ोतरी से इंगित होता है कि उपभोक्ता का विश्वास बढ़ा है और लोग खर्च करने लगे हैं। महामारी की रोकथाम के लिए लगे लॉकडाउन और अन्य पाबंदियों को हटाने से औद्योगिक और कारोबारी गतिविधियों ने तेजी से रफ्तार पकड़ी है। बीती तिमाही में निर्यात के क्षेत्र में भी बढ़िया प्रदर्शन रहा है। इस वृद्धि की एक अन्य बड़ी वजह मॉनसून का अच्छा रहना भी है। इससे फसल अच्छी हुई और किसानों की आमदनी में बढ़त हुई। हमारे देश में अक्सर यह देखा गया है कि अगर बारिश ठीक होती है, तो ग्रामीण क्षेत्र में मांग बढ़ती है। इसका वृद्धि पर सकारात्मक असर होता है।

मैनुफैक्चरिंग में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन यह अपेक्षा से कम है। इसका कारण आपूर्ति श्रृंखला के अवरोध हैं। ये अभी भी मौजूद हैं। जुलाई से सितंबर तक की तिमाही पर कोरोना महामारी की दूसरी लहर की छाया रही है। इस लहर ने मैनुफैक्चरिंग और आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया था। औद्योगिक उत्पादन के लिए बहुत तरह के संसाधनों की आवश्यकता होती है। श्रमिकों के अलावा कच्चे माल तथा विभिन्न सहायक वस्तुओं की आपूर्ति भी निर्बाध ढंग से बनी रहनी चाहिए। इस कमी की वजह से फैक्ट्रियों में उम्मीद से कम उत्पादन हुआ है। अगर स्थिति सामान्य रहती और उत्पादन का स्तर अच्छा होता तो वृद्धि दर 9.5 प्रतिशत के आसपास हो सकती थी लेकिन कुल मिलाकर यह उम्मीद तो बनती ही है कि इस वित्त वर्ष की सभी चार तिमाहियों की वृद्धि दर कम-से-कम सात से आठ प्रतिशत के बीच रह सकती है। भारतीय अर्थव्यवस्था बीते साल की मुश्किलों से उबरते हुए सुधार की ओर अग्रसर है। जो वर्तमान तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) है, उसमें दीवाली और अन्य त्योहारों के मौसम में शानदार उपभोग देखा गया है और यह अभी जारी है। 2020 में इस तिमाही में महामारी के कारण बाजार बहुत धीमा रहा था, जिसका असर वृद्धि दर पर भी हुआ था लेकिन इस बार लोगों ने खुलकर खर्च किया है। उपभोग में इस उछाल का प्रभाव हमें तीसरी तिमाही

के नतीजों में जरूर देखने को मिलेगा। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के संग्रहण के आंकड़े भी इसी ओर संकेत कर रहे हैं। उपभोग के साथ निर्यात में वृद्धि के कारकों को एक साथ रख कर देखें और अगर आपूर्ति श्रृंखला की बाधाएं कम होती हैं तो यह अनुमान लगाया जा सकता है कि अगली दो तिमाहियों में भी हमें अर्थव्यवस्था का अच्छा प्रदर्शन देखने को मिलेगा।

आवास और व्यावसायिक निर्माण के क्षेत्र में महामारी से पहले से सुस्ती थी। आपूर्ति की मात्रा मांग से कहीं अधिक हो गयी थी। महामारी के दौरान तो यह क्षेत्र लगभग बैठ ही गया था। पर अब इसमें सकारात्मक बढ़त होने लगी है। तो इन प्रमुख क्षेत्रों में आगे भी बढ़ोतरी होती रहेगी। हालांकि अर्थव्यवस्था के सामने अभी मुख्य रूप से दो चुनौतियां हैं। एक, कोरोना वायरस के नये वैरिएंट ओमिक्रॉन ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष चिंताओं को बढ़ा दिया है। अगर इससे महामारी एक बार फिर बड़े पैमाने पर फैलती है तो हमारे निर्यात तथा आपूर्ति श्रृंखला पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। आयात पर होनेवाला खर्च बढ़ जायेगा। दूसरी चिंता यह है कि कहीं यह नया वायरस हमारे देश में घुसकर कोई तीसरी लहर जैसी स्थिति न पैदा कर दे। यदि लॉकडाउन की स्थिति पैदा होती है, भले ही वह स्थानीय स्तर पर हो तो आर्थिक गतिविधियां धीमी हो जायेंगी। महामारी उन्हीं जगहों पर अधिक फैलती है, जहां अधिक लोग होते हैं। ऐसी जगहें औद्योगिक शहर, बंदरगाह आदि होती हैं। इन्हीं स्थानों पर उत्पादन और कारोबार भी केंद्रित होता है। दुनियाभर के विशेषज्ञ भी यही कह रहे हैं कि हर जगह आर्थिक बेहतरी हो रही है, चाहे यूरोप हो, अमेरिका हो, भारत हो या फिर दक्षिण-पूर्व एशिया हो। यदि नया वायरस बुरी तरह से फैल जाता है तो हर जगह की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। बावजूद इसके हमारी मुख्य प्राथमिकता अर्थव्यवस्था को महामारी से पहले की स्थिति में लाना होना चाहिए। अभी हमें आर्थिक वृद्धि और रोजगार बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मुद्रास्फीति कुछ ऊपर रहेगी ही क्योंकि महामारी से जूझने के लिए सरकार ने बड़े पैमाने पर खर्च किया है और यह आगे भी जारी रहेगा। जब भी सरकार खर्च करती है तो मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी स्वाभाविक है। तय सीमा से अगर यह दो-तीन प्रतिशत ऊपर-नीचे रहती है, तो हमें परेशान नहीं होना चाहिए। मुद्रास्फीति को नीचे लाने के लिए अगर मांग को नियंत्रित करने की कोशिश होगी तो उसका सबसे खराब असर उन लोगों पर होगा, जिन्हें रोजगार चाहिए और जिनकी रोजी-रोटी उससे जुड़ी है। सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर से जोड़कर खर्च करने की जो नीति बनायी है, वह सही है क्योंकि इससे वृद्धि भी हासिल हो रही है और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर भी तैयार हो रहा है। इस नीति को जारी रखना चाहिए।

पर्यावरण के मुद्दे पर औपनिवेशिक सोच

अश्विनी महाजन

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र का पर्यावरण सम्मेलन 'सीओपी-26' ग्लासगो में संपन्न हुआ। पर्यावरण के महत्व को समझते हुए स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसमें भाग लिया। प्रधानमंत्री ने पांच बिंदुओं में पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को व्यक्त किया, जिसे पंचामृत का नाम दिया गया। उसमें 2030 तक गैर जीवाश्म ऊर्जा की क्षमता को 500 गीगावॉट तक बढ़ाना, अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के 50 प्रतिशत की आपूर्ति नवीनीकरण स्रोतों से पूर्ण करना, कार्बन उत्सर्जन को एक अरब टन तक घटाना, कार्बन सघनता को 45 प्रतिशत तक कम करना और 2070 तक देश को 'कार्बन न्यूट्रल' बनाना शामिल है।

पर्यावरण संकट मानवता के अस्तित्व से जुड़ा है। भारत में हिमालयी क्षेत्र उत्तराखंड के पहाड़ों पर बादलों के फटने, कहीं कम वर्षा और कहीं ज्यादा वर्षा, सूखा और बाढ़, धुएं के कारण अस्त-व्यस्त होता जीवन, आज देश के हर व्यक्ति को प्रभावित कर रहा है। बढ़ते समुद्र के स्तर के कारण छोटे द्वीपों पर जीवन संकट में है। पर्यावरण के कारण भी बड़ी मात्रा में विस्थापन बढ़ रहा है। समय रहते यदि नहीं चेते तो आनेवाले कुछ दशकों में ही पृथ्वी रहने योग्य स्थान नहीं रहेगी। इसी के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में पर्यावरण सम्मेलनों का आयोजन वर्ष 1994 से चल रहा है, जिसे 'यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कन्वेशन ऑन क्लाइमेट चेंज' भी कहा जाता है। 'क्योटो प्रोटोकॉल' के अनुसार, विभिन्न देशों ने अपनी ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य निर्धारित किये। अल्प विकसित एवं विकासशील देशों को कुछ समय के लिए इन गैसों के उत्सर्जन को घटाने की जिम्मेदारी से छूट भी दी थी। पेरिस पर्यावरण सम्मेलन-2015 के बाद भारत ने गैसों के उत्सर्जन को कम करने का संकल्प लिया था, लेकिन भारत ने यह भी स्पष्ट किया था कि विकसित देश भारत पर पर्यावरणीय असंतुलन या ग्लोबल वार्मिंग का ठीकरा फोड़ने की कोशिश न करें। आज दुनिया पिछले 100 वर्षों में जो हुआ, उसका परिणाम भुगत रही है। जहां मौसम परिवर्तन के लिए अमेरिका की जिम्मेदारी 40 प्रतिशत है, यूरोप की 10 प्रतिशत, चीन की 28 प्रतिशत है, वहीं भारत केवल तीन प्रतिशत के लिए ही जिम्मेदार है।

भारत ने तब भी यह कहा था कि चीन समेत अमीर मुल्कों की जिम्मेदारी अधिक है। कोपेनहेगन में गरीब मुल्कों को पर्यावरण संकट से निबटने के लिए 100 अरब डॉलर उपलब्ध कराने का वचन दिया था, लेकिन वह राशि कहीं दिखाई नहीं दे रही। जहां सीओपी-26 के अंतिम दस्तावेज में उस 100 अरब डॉलर की सहायता की बात को तो तूल ही नहीं दिया गया है, बल्कि भारत (और चीन) पर सारा दोष मढ़ने की कोशिश हो रही है। ग्लासगो पर्यावरण सम्मेलन के अंतिम दस्तावेज में अमीर मुल्कों ने कोयले के उपयोग को समाप्त करने की शर्त को शामिल कर दिया और भारत ने जब उसके लिए मना किया तो भारत को बेजा ही बदनाम करने की कोशिश शुरू हो गयी है कि वह पर्यावरण सुधार के रास्ते में रोड़ा बन रहा है। वास्तविकता यह है कि ऐतिहासिक रूप से पर्यावरण संकट के लिए अमेरिका, यूरोप और चीन आदि मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। भारत का कहना है कि केवल कोयला ही नहीं बल्कि अन्य जीवाश्म ईंधन जैसे पेट्रोलियम और गैस भी उतने ही जिम्मेदार है। चूंकि अमेरिका और यूरोप को उन्हें इस्तेमाल करने में फायदा है, उनके द्वारा उत्सर्जन को कम करने का कोई जिक्र भी अंतिम दस्तावेज में नहीं किया गया है, जो कि सर्वथा अनुचित है।

आज जब विकसित देश पर्यावरण संधि में भारत को रोड़ा बता रहे हैं, उन्हें अपने गिरेबान में झांक कर देखना होगा कि वर्तमान पर्यावरण संकट का कारण उन देशों का अनियंत्रित उपभोग है। यह इस बात से परिलक्षित होता है कि केवल अमेरिका और यूरोप जहां दुनिया की कुल आबादी का मात्र 14 प्रतिशत ही हैं, पिछले 100 वर्षों के ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी हैं। यही नहीं, आज भी भारत में प्रति व्यक्ति ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन मात्र 1.77 मीट्रिक टन है जबकि अमेरिका में यह 14.24 मिट्रिक टन और इंग्लैंड में 4.85 मीट्रिक टन है, चीन में भी प्रति व्यक्ति ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन 7.41 मीट्रिक टन है, जो भारत से कहीं अधिक है। इसके अलावा, भारत एवं अन्य विकासशील देशों और अल्पविकसित देशों को ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन और ग्लोबल वार्मिंग को कम करने हेतु जो प्रयास करने पड़ेंगे, उसके लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग की जरूरत होगी। यह प्रौद्योगिकी विकसित देशों के पास ही उपलब्ध है, जिसे साझा करने के लिए वे भारी-भरकम कीमत चाहते हैं।

उधर विकासशील एवं अल्पविकसित देशों को नवीकरणीय ऊर्जा जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा आदि का उपयोग बढ़ाना होगा, जिसके लिए उन्हें और अधिक निवेश तथा प्रौद्योगिकी की जरूरत होगी। समय की मांग है कि यदि धरती को जीवन योग्य रखना है तो विकसित देशों को अपने संसाधनों और प्रौद्योगिकी को उसके लिए उपलब्ध कराना होगा। अमीर मुल्कों को अपनी इस औपनिवेशिक सोच से बाहर आना होगा कि वे दुनिया के शासक हैं और कुछ भी कर सकते हैं। नहीं भूलना चाहिए कि ग्लोबल वार्मिंग से ये अमीर मुल्क भी अछूते नहीं रहेंगे।

बढ़ गई है सर्दी

इस मौसम में कैसे रखें अपनी सेहत का ख्याल

सर्दी के मौसम में बीपी और शुगर पर नियंत्रण रखना बहुत जरूरी है। ये दोनों स्वास्थ्य को कभी भी खतरे में डाल सकते हैं। ठंड के मौसम में शारीरिक गतिविधियां काफी कम हो जाती हैं जबकि खानपान काफी बढ़ जाता है। ऐसे में बीपी और शुगर बढ़ने की आशंका काफी बढ़ जाती है। ठंड से बचने के लिए घर के अंदर भी गर्म कपड़े पहनें। गर्म कपड़ों से पूरा शरीर ढकने के बाद ही घर से बारह निकलना स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा।

बीपी बढ़ने पर लकवा एवं ब्रेन हेमरेज का खतरा

ठंड के मौसम में बीपी की समस्या बढ़ने से लकवा, ब्रेन हेमरेज एवं हार्ट अटैक का खतरा काफी बढ़ जाता है। बीपी बढने पर तत्काल किसी चिकित्सक से संपर्क करने की जरूरत है। अगर बीपी लगातार बढ़ रहा है तो चिकित्सक से संपर्क कर दवा की पोटेंसी बढ़वा सकते हैं। इसमें रहन-सहन से लेकर खानपान में भी बदलाव करने की जरूरत है।

घर में ही करें व्यायाम

आजकल बाहर व्यायाम करना खतरे से खाली नहीं है। ऐसे में घर में ही व्यायाम शुरू कर देना चाहिए। घर में व्यायाम करने से आप ठंड से बच सकते हैं। वर्तमान में ठंड की वजह से व्यायाम बंद करना ठीक नहीं है। आप पूर्व की भांति व्यायाम करते रहें लेकिन सावधानी बरते ही ठंड का शिकार न हों। घर के जिस कमरे में आप व्यायाम करना चाहते हैं वह थोड़ा गर्म होना चाहिए।

गर्म व ताजे भोजन का सेवन करें

शादी एवं अन्य समारोहों में भोजन करते समय इस बात की सावधानी बरतें की भोजन गर्म व ताजा हो। जो चीज अत्यधिक ठंडी हो गई है, उसका सेवन करने से बचने की जरूरत है। ठंडा खाना खाने के कारण ही आजकल कोल्ड डायरिया के मामले बढ़ गए हैं। संतुलित भोजन लें यानी जिसमें शरीर के लिए सभी आवश्यक पोषक तत्व हों, साथ ही भोजन रुचिकर, सस्ता व पौष्टिक भी हो। भोजन से शरीर को आवश्यक ऊर्जा मिलती है, शरीर की रोगों से रक्षा होती है व शरीर के निर्माण और क्षयग्रस्त कोषों की मरम्मत के लिए जरूरी तत्व भी भोजन से ही मिलते हैं।

सब्जियां और फल

सब्जियां खनिज लवण से भरपूर होती हैं। मौसमी सब्जियों को भोजन में अवश्य शामिल करें। मूली, मेथी, गाजर, पालक को कच्चा भी सलाद के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। कम से कम 100 ग्राम सब्जी नियमित खाना चाहिए। फल भी विटामिन से भरपूर होते हैं। आवश्यक नहीं कि आप महंगे फल ही खाएं। मौसम के अनुसार अमरूद, आंवला, केला, खीरा आदि अत्यंत लाभदायक हैं।

पशुजन्य प्रोटीन

सभी आयु वर्ग के लोगों के भोजन में दूध, दही, लस्सी आदि की आवश्यकता है। सप्ताह व दूध में भी सभी आवश्यक तत्व हैं। अतः इसे भी इस्तेमाल किया जा सकता है। मांस, मछली, अंडे का भी सेवन कर सकते हैं लेकिन हिसाब से। इस प्रकार आसानी से मिलने वाले अनाज, दालें, मौसमी फल, सब्जियां तेल, गुड़ को डाइट में शामिल कर संतुलित भोजन किया जा सकता है।

सूर्योदय के बाद ही टहलने निकलें बुजुर्ग

वर्तमान वातावरण में ठंड जबकी बढ़ रहा है, ऐसे में बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। उनको सूर्योदय के बाद ही घर से बाहर निकलने की जरूरत है। वातावरण में थोड़ी गर्मी बढ़ने पर बुजुर्ग घर से बाहर टहलने निकलें। अगर सुबह में ज्यादा ठंड हो तो दोपहर बाद टहलने की कोशिश करनी चाहिए। लेकिन कभी भी सूर्यास्त के बाद टहलने की कोशिश न करें।

ज्यादा भीड़-भाड़ वाले इलाके में जाने से बचें

आजकल ज्यादा भीड़-भाड़ वाले इलाके में जाने से लोगों को बचना चाहिए। खासकर सांस के मरीजों को। वहां पर उनकी परेशानी काफी बढ़ सकती है। ज्यादा भीड़ में छोटे बच्चों को ले जाने से भी परहेज करने की जरूरत है। वहां पर वे संक्रमण के शिकार हो सकते हैं।

ऊर्जादायक भोजन

इनमें सभी प्रकार के अनाज, गेहूं, चावल, जौ, बाजरा, मकई, घी, तेल, गुड़, शक्कर, मक्खन, आलू, शकरकंद, जिमीकंद आदि आते हैं।

शरीर निर्माणकारी भोजन

इसमें प्रोटीन से भरपूर मेवे, दालें, दूध आदि खाद्य पदार्थ आते हैं।

रक्षाकारी भोजन

शरीर को बीमारियों से बचाने के लिए विटामिनों व खनिज लवणों और प्रोटीन से युक्त दूध, पनीर, फल, सब्जियां आदि चीजें शामिल हैं।

अनाज

अनाज की अपनी विशेषता है। गेहूं, चावल, बाजरा, मक्का आदि अनाज के आटे में से चोकर न निकालें। बिना पॉलिश किए चावल का प्रयोग करें। चावल की परत में विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स होता है।

दालें

शाकाहारी लोगों के लिए दालें अत्यंत आवश्यक हैं। दालें बलवर्द्धक व प्रोटीन से भरपूर होती हैं। मूंग की दाल सुपाच्य है और बुजुर्गों के लिए उत्तम आहार है।

घी या तेल

मूंगफली, सरसों, तिल या घी इनमें पौष्टिकता की दृष्टि से कोई अंतर नहीं है। भोजन में वनस्पति घी का प्रयोग न करें। शुद्ध देशी घी या तेल खाना स्वास्थ्य की दृष्टि से ज्यादा अच्छा है।

गुड़ अथवा शक्कर

शक्कर की अपेक्षा गुड़ में अधिक पोषक तत्व होते हैं। इसमें लोहा, विटामिन एवं अन्य खनिज लवण हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से सफेद चीनी अत्यंत हानिकारक है और प्राकृतिक चिकित्सा में इसे श्वेत विष की संज्ञा दी गई है।

हंसना मना है

प्यार पहले अंधा होता था फिर उसने अपनी आंखों का इलाज करवाया अब वह गाड़ी, बंगला, शक्ल और बैंक बैलेंस सब देखता है।

कल मेरी दादी ने मुझे आलू बोला था लेकिन मैंने गुस्सा नहीं किया क्योंकि POTA-TO उन्हीं का हूं।

पत्नी ने कहा कि फ्री बैठे हो तो कपड़े धो डालो वरना मैं धो दूंगी। समझ नहीं आ रहा इस धोने को पत्नी की रिक्वेस्ट समझूं या धमकी।

कुछ लोग इतने गरीब होते हैं कि उनके पास देने के लिए कुछ नहीं होता है इसलिए वे लोगों को बस धोखा देते हैं।

हर कोई कहता है कि मेरी वाली सबसे अलग है मेरी वाली तो इतनी अलग थी कि मुझसे ही अलग हो गई!

शादियों में कुछ लड़के तो कैमरे के सामने दूल्हे के बगल में फोन कान पर ऐसे लगाए रहते हैं मानो सूचना और प्रसारण मंत्री वही हों।

सुना था कि कोई गलत काम करो तो हाथ कांपते हैं आजकल सुबह नहाते वक्त मेरे भी हाथ कांपते हैं।

कहानी — सच्चा संत

एक सात वर्षीय बालक शहर के एक प्रसिद्ध महात्माजी के आश्रम में काफी दूर से आता है और उनसे मिलने के लिये बैठ जाता है। महात्माजी के प्रवचन का समय होने पर वे बाहर आते हैं और उस बालक को बैठा देखकर उसके पास आकर बड़े प्यार व स्नेह से उसके सिर पर हाथ फेरकर पूछते हैं कि तुम मुझसे क्यों मिलना चाहते हो। वह बड़ी ही विनम्रता से कहता है कि मेरी छोटी बहन बीमार है, मुझे नहीं पता उसे क्या हुआ है पर उसका ऑपरेशन करना बहुत जरूरी है। मेरे पिताजी के पास इतना धन नहीं है कि वे यह खर्च वहन कर सकें और उसकी जान बचा सके। मेरी मां ने कहा है कि अब भगवान ही इसे बचा सकते हैं। आप भगवान के देवदूत हैं और अगर आप चाहे तो भगवान से कहकर मेरी बहन को बचा सकते हैं। मैं अपने साथ यह गुल्लक भी लाया हूं जिसमें मेरे द्वारा बचाये गये जेब खर्च के रूपये जमा हैं और वह गुल्लक खोलकर उसमें रखे ग्यारह रूपये दान पेटी में डाल देता है और स्वामी जी की तरफ देखकर पूछता है कि अब आप भगवान से कहेंगें न। उस बालक का उसकी बहन के प्रति प्रेम और समर्पण देखकर स्वामी जी भौचक्के रह गये और प्रवचन छोड़कर उस बालक के साथ उसके घर पहुंच गये। वहां उन्होंने उसकी बहन की हालत देखकर तुरंत चिकित्सालय ले जाकर उसकी चिकित्सा एवं ऑपरेशन का प्रबंध कर दिया और सारी रकम अपने पास से अस्पताल में दे दी। उस बच्ची का तुरंत ऑपरेशन हो गया और उसकी जान बच गयी। स्वामी जी भी ऑपरेशन होने तक अस्पताल में ही बैठकर भगवान का नाम जप कर उसके ठीक होने की प्रार्थना करते रहे और चिकित्सकों के यह कहने के बाद कि अब उसकी जान को कोई खतरा नहीं है, वापिस आश्रम चले गये। वह बालक सबको कह रहा था कि भगवान ने महात्मा जी की बात मानकर उनके माध्यम से रूपये भिजवाकर मेरी बहन की जान बचा ली। महात्मा जी को जब बच्चे के मन की यह बात पता हुई तो उनके चेहरे पर असीम प्रसन्नता एवं खुशी का भाव आकर असीम संतुष्टि व तृप्ति का एहसास हुआ।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। यात्रा होगी। सुखद यात्रा हो सकती है। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

वृषभ — अप्रत्याशित खर्च होंगे। तनाव रहेगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम न लें। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे।

मिथुन — रुका हुआ धन मिल सकता है। निवेश शुभ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। रुका काम समय पर पूरा होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कर्क — वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रोजगार बढ़ेगा। सतर्कता से कार्य करें। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें।

सिंह — तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। बाहरी सहायता से काम होंगे। ईश्वर में रुचि बढ़ेगी। कामकाज की अनुकूलता रहेगी।

कन्या — चोट व रोग से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। दूसरों पर विश्वास हानि देगा। कार्य में बाधा होगी। पत्नी से आश्वासन मिलेगा। स्वयं के निर्णय लाभप्रद रहेंगे।

तुला — घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। व्यापार व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्यों में विलंब से चिंता होगी।

वृश्चिक — संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

धनु — पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है।

मकर — शोक समाचार मिल सकता है। काम में मन नहीं लगेगा। विवाद से बचें। मेहनत अधिक होगी। आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें। व्यावसायिक चिंता रहेगी।

कुम्भ — घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। कार्य पूर्ण होंगे। आय बढ़ेगी। मनोरंजक यात्रा होगी। प्रसन्नता रहेगी। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें।

मीन — पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न लें। लाभ होगा। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएं रखें। आर्थिक अनुकूलता रहेगी।

भोपाल गैस त्रासदी का दर्द बयां करेगा द रेलवे मैन

पिछले कुछ समय में लगभग हर एक्टर और निर्माता-निर्देशक ने डिजिटल प्लेटफॉर्म का रुख कर लिया है। अब इस लिस्ट में यशराज फिल्म का नाम भी जुड़ गया है। जल्द ही वाईआरएफ अपनी पहली वेब सीरीज के साथ दर्शकों के बीच एंट्री करने जा रहा है। उन्होंने अपनी इस सीरीज को द रेलवे मैन का नाम दिया है। इस सीरीज में बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान को भी अहम भूमिका में देखा जाएगा। यह सीरीज 1984 में हुई भोपाल गैस त्रासदी के गुमनाम नायकों को एक श्रद्धांजलि है। वाईआरएफ ने अपने इस प्रोजेक्ट का उसी दिन ऐलान किया है, जिस दिन 37 साल पहले भोपाल में यह त्रासदी हुई थी। बता दें कि ये त्रासदी 2 दिसंबर 1994 में हुई थी। दूसरी ओर अब यशराज के स्ट्रीमिंग कंटेंट प्रोडक्शन बिजनेस को यशराज फिल्म एंटरटेनमेंट कहा जाएगा और यह अपने पहले साल में शुरू करने के लिए 5 प्रोजेक्ट्स पर

मंथन करेगा। यशराज फिल्म्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अक्षय विधानी ने अपने इस नए प्रोजेक्ट को लेकर कहा, भोपाल गैस त्रासदी दुनिया की सबसे खराब औद्योगिक आपदा है जिसने 37 साल पहले शहर में आई त्रासदी के बाद से लोगों को प्रभावित किया है। उन्होंने आगे कहा, वाईआरएफ में, हम लगातार दर्शकों के लिए अच्छी कहानियां लाने की कोशिश कर रहे हैं। यह त्रासदी के गुमनाम नायकों को हमारी श्रद्धांजलि है, जो उस घातक दिन पर हजारों लोगों की जान बचाने के बावजूद, दुनिया भर के लोगों के लिए अभी भी अज्ञात हैं। वेब सीरीज द रेलवे मैन नाम के बैनर की पहली बड़ी परियोजना भोपाल स्टेशन के रेलकर्मियों को श्रद्धांजलि देती है। बता दें कि द रेलवे मैन का निर्देशन नवोदित शिव रवैल कर रहे हैं। इस सीरीज में बॉलीवुड और साउथ एक्टर आर। माधवन, के के मेनन, दिव्येंदु शर्मा और बाबिल खान जैसे शानदार कलाकार अहम किरादरों में दिखाई देने वाले हैं। द रेलवे मैन की शूटिंग 1 दिसंबर से शुरू हो गई है।

बॉलीवुड | मन की बात

नेहा श्री के अकाउंट हैकिंग मामले में फेसबुक को नोटिस जारी

अक्सर सोशल मीडिया अकाउंट हैक की खबरें आती रहती हैं। किसी ना किसी एक्टर और एक्ट्रेस के अकाउंट को हैक कर लिया जाता है और उनके पेज पर भद्दे-कमेंट्स, पोस्ट्स शेयर किए जाते हैं। ऐसे में अब भोजपुरी एक्ट्रेस नेहाश्री को लेकर खबर है कि हैकर्स द्वारा उनके फेसबुक अकाउंट को हैक कर लिया गया। इसके लिए उन्होंने याचिका दायर की है, जिसमें एक्ट्रेस ने आरोप लगाया कि उनके पेज को हैक करने के बाद उस पर अश्लील कंटेंट और कमेंट्स पोस्ट किए जा रहे हैं। इस वजह से उनकी इमेज प्रभावित हो रही है। अब इस मामले को लेकर जस्टिस रजनीश भटनागर ने फेसबुक को नोटिस जारी किया है। दरअसल, नेहाश्री ने अपने फेसबुक अकाउंट होने के बाद याचिका दाखिल की थी, जिसके बाद अब दिल्ली हाईकोर्ट जस्टिस रजनीश भटनागर की ओर से इस पर फैसला सुनाया गया है। उन्होंने फेसबुक इंक, दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। नेहा श्री ने याचिका में कार्रवाई की मांग करते हुए आरोपियों के खिलाफ जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की गई है। उन्होंने ये भी अपील की है कि हैकर्स द्वारा उनके पेज पर लगाई गई तस्वीरें और कमेंट्स को हटाए जाएं और उनका फेसबुक पेज फिर से एक्टिव किया जाए। एक्ट्रेस नेहाश्री ने कहा कि उनके फेसबुक पेज पर 40 लाख फॉलोअर्स हैं। वहीं, इस मामले की अगली सुनवाई 28 मार्च, 2022 को है। नेहाश्री भोजपुरी और राजस्थानी फिल्मों के साथ ही कई टीवी सीरियल्स के लिए भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने भोजपुरी में खेसारी लाल यादव की फिल्म 'साजन चले ससुराल' से डेब्यू किया था। इसमें उनके काम की खूब सराहना की गई थी। वो 'राधे', 'एक्शन राजा', 'सन्नाटा', 'दोस्ताना' और 'लाडला' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं।

ओपन जैकेट में शनाया कपूर ने दिखाई अदाएं

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड एक्टर संजय कपूर की लाडली शनाया कपूर फिल्मों से दूर रहने के बावजूद लोगों के दिलों में अपने लिए जगह बना चुकी हैं। शनाया का स्टारडम भी किसी सुपरस्टार से कम नहीं है। हालांकि, एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और लगातार फैंस के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट करती रहती हैं। अब एक बार फिर शनाया ने अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं।

लेटेस्ट फोटोज में शनाया को ऑफ व्हाइट कलर के ट्यूब टॉप, ब्लेजर और पैंट्स पहने देखा जा रहा है। अपने इस लुक को कम्पलीट करने के लिए शनाया ने लाइट मेकअप किया है। इसके साथ उन्होंने गले में एक छोटा सा नेकपीस पहना है और बालों को खुला छोड़ा है। यहां वह बेहद खूबसूरत, स्टाइलिश और कॉन्फिडेंस दिख रही हैं। अब शनाया की ये फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई हैं। कुछ ही घंटों में उनकी इन फोटोज पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। फैंस यहां एक्ट्रेस की तारीफें करते नहीं थक रहे हैं। दूसरी ओर फिल्मी हस्तियां भी शनाया की तारीफों के पुल बांध रहे हैं। शनाया की मां महीप कपूर ने भी इस पर कमेंट करते हुए दिल वाले बहुत सारे इमोजी बनाए हैं। शनाया ने अभी इंडस्ट्री में कदम रखा भी नहीं और अभी से उनका बोल्ड लुक तेजी से वायरल होने लगा है। वहीं उनके वर्क फ्रंट की बात करें तो शनाया कपूर को करण जौहर बॉलीवुड में लॉन्च करने जा रहे हैं। इस बात का ऐलान करण ने खुद किया था। इसके अलावा शनाया, जाह्नवी कपूर की फिल्म गुंजन सक्सेना में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर भी काम कर चुकी हैं।

दुनिया की सबसे ज्यादा प्रेतबाधित कुर्सी

दुनिया में कई कथित प्रेतबाधित चीजें या वस्तुएं हैं। ऐसा कहा जाता है कि आत्माएं अपने आप काम नहीं कर सकती हैं क्योंकि वे अब हमारी दुनिया या हमारी वास्तविकता से संबंधित नहीं हैं। उन्हें खुद को उन वस्तुओं से जोड़ने की जरूरत है जो उन्हें पसंद हैं या दुनिया में मौजूद होने पर उनकी भावना थी। जैसे उनकी गुड़िया या दर्पण या खिलौने या यहां तक कि सामान्य वस्तुएं जैसे कुर्सी बिस्तर वगैरह। यदि आप इसे देखें, तो घर में चलती गुड़िया या वस्तुओं के गुम होने के बारे में नरक की कहानियां हैं। सभी भूतिया कहानियां किसी न किसी तरह से घर की वस्तुओं से संबंधित हैं। ऐसा करने से, आत्माएं आपको परिसर में अपने अस्तित्व के बारे में बताएंगी। ऐसा ही एक वाक्या हम आपको आज बताने जा रहे हैं। एक प्रेतबाधित कुर्सी। जो तस्वीर आप ऊपर देख रहे हैं वह भूतिया कुर्सी की असली तस्वीर है और ब्रिटेन संग्रहालय में इसे दीवार पर ऊंचा रखा गया है। ताकि लोगों को इस पर बैठने से रोका जा सके क्योंकि ऐसा कहा जाता है कि जो कोई इस कुर्सी पर बैठा वह अकाल मृत्यु का ग्रास बना है। ये कुर्सी थॉमस बस्बी नामक एक शख्स की थी। कहा जाता है कि उसकी इस पसंदीदा चेयर पर एक बार उसके ससुर बैठ गए थे। इससे थॉमस काफी गुस्सा हो गया और उसने उनका मर्डर कर दिया। इस मर्डर के कारण थॉमस बस्बी को फांसी के तख्ते पर लटका दिया गया था। हालांकि मरने से ठीक पहले थॉमस ने ये श्राप देते हुए कहा कि जो कोई भी इस कुर्सी पर बैठने की हिमाकत करेगा उसकी मौत हो जाएगी। गौरतलब बात है कि थॉमस की मृत्यु के बाद भी कई लोगों ने इस बात को गंभीरता से नहीं लिया और उस कुर्सी पर बैठना चाहा। हालांकि चेयर पर बैठने के बाद कुछ ही दिनों में उनकी मृत्यु हो गई। कुछ समय बाद जब कुर्सी पर बैठने वाले चार और लोगों की मृत्यु हुई, तो कई लोगों को इस बात का एहसास हुआ कि ये कुर्सी शापित हो चुकी है। द्वितीय विश्व युद्ध के समय कुछ सैनिक इस चेयर पर बैठे थे। युद्ध के दौरान इन सभी सैनिकों में से एक भी जिंदा नहीं बच सका। कहा तो ये भी जाता है कि आज भी थॉमस बस्बी की आत्मा इस कुर्सी में है। उसके बाद से इस चेयर को लोगों की पहुंच से दूर कर दिया गया। इसे अब एक म्यूजियम में रखा गया है। इस कुर्सी को डेथ चेयर के नाम से भी जाना जाता है। इसे लेकर लोगों के भीतर डर इतना ज्यादा है कि वे इसे म्यूजियम में भी देखने से डरते हैं।

अजब-गजब | अब भी नहीं लगी जंग

हजारों सालों से रखा है परशुराम का फरसा

भारत सहित दुनियाभर में कई सारी अद्भुत और अनोखी जगह हैं। अब तक आपने कई सारी अजब गजब चीजों के बारे में सुना भी होगा। ऐसी ही एक रोचक जगह है झारखंड की राजधानी रांची। इस जगह भगवान परशुराम का फरसा जमीन में गड़ा हुआ है। यहां परशुराम के चरण चिह्न भी बताए जाते हैं। सबसे सोचनीय बात यह कि यहां रखे हुए फरसे में हजारों साल के बाद भी जंग नहीं लगी है।

जबकि सभी जानते हैं कि, लोहे में पानी लगने पर जंग लग जाती है और वह कुछ समय बाद खाख हो जाता है। लेकिन भगवान परशुराम का वह फरसा आज भी वैसा ही रखा हुआ है। इस स्थान से एक अद्भुत कथा भी जुड़ी है। आइए जानते हैं इस अजब गजब जगह के बारे में...

कहा जाता है कि झारखंड बांग्ला से 150 किमी दूर घने जंगल में तांगीनाथ धाम इलाका नक्सल प्रभावित है। स्थानीय भाषा में फरसा को तांगी कहते हैं, इसलिए इस स्थान का नाम तांगीनाथ धाम पड़ा। यह फरसा यहां हजारों सालों से बिना किसी देखभाल के गड़ा हुआ है लेकिन आज तक इस पर जंग नहीं लगी है। लोगों का कहना है कि फरसा भूमि में कितना गड़ा हुआ है, यह कोई नहीं जानता। इसके बारे

में एक कहानी भी प्रचलित है। कहा जाता है कि एक बार इस इलाके में लोहार आकर रहने लगे थे। काम के दौरान उन्हें लोहे की जरूरत हुई तो उन्होंने परशुराम का यह फरसा काटने की कोशिश की। काफी कोशिश के बाद भी वे फरसा नहीं काट पाए, लेकिन इसका नतीजा बहुत बुरा हुआ। उस परिवार के सदस्यों की मौत होने लगी। इसके बाद उन्होंने वह इलाका छोड़ दिया। आज भी टांगीनाथ धाम के आसपास लोहार नहीं रहते। उस घटना का खौफ उनके मन में आज भी ताजा है। टांगीनाथ धाम में प्राचीन मंदिर व शिवलिंग के अवशेष हैं। यहां की स्थापत्य कला केदारनाथ धाम जैसे बहुत पुराने मंदिरों से मेल खाती है। बताया जाता है कि एक बार यहां खुदाई भी की गई और उसमें कई कीमती चीजें पाई गई थीं। नक्सल प्रभावित इलाके में स्थित होने के बावजूद टांगीनाथ धाम में श्रद्धालु आते हैं। परशुराम द्वारा भगवान शिव की तपस्या से पवित्र यह स्थल विशाल फरसे के कारण किसी आश्चर्य से कम नहीं है। रशुराम जी की बात करें तो लगभग सभी जानते हैं, वे महान तपस्वी हैं उन्होंने तप से अद्भुत सिद्धि और शक्तियां प्राप्त की हैं। रामायण काल के दौरान हुई एक घटना में भी उनका वर्णन है। जब भगवान श्री राम ने सीता जी के स्वयंवर में शिव धनुष तोड़ा तो परशुराम बहुत क्रोधित हो गए और स्वयंवर स्थान पर आ गए। लेकिन जब परशुराम को पता चलता है कि श्री राम स्वयं विष्णु के अवतार हैं, तो उन्हें पछतावा होता है कि उन्होंने श्री राम को अपमानित किया और परशुराम स्वयंवर से जगंल की ओर चले जाते हैं। जगंल में वे अपना फरसा भूमि में गाड़ देते हैं और भगवान शिव की तपस्या करते हैं। उसी जगह पर आज टांगीनाथ धाम स्थित है। लोगों का विश्वास है कि परशुराम जी का फरसा आज भी यहां ग?ा हुआ है।

कानपुर में ट्रिपल मर्डर से सनसनी

डॉक्टर ने पत्नी, बेटे और बेटी को उतारा मौत के घाट

» डिप्रेशन में बताया जा रहा है आरोपी चिकित्सक, पुलिस कर रही मामले की जांच टीमें सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। कल्याणपुर क्षेत्र के इंदिरा नगर स्थित डिविनिटी अपार्टमेंट में डाक्टर ने शिक्षक पत्नी, बेटे और बेटी की हत्या कर दी। फरार होने के बाद खुद ही शाम को भाई को मोबाइल पर मैसेज करके पुलिस को घटना की सूचना देने के लिए कहा। पुलिस की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा गया तो शव अलग-अलग कमरों में पड़े मिले। पुलिस आयुक्त, डीसीपी पश्चिम समेत अन्य अधिकारी फोरेंसिक टीम के साथ पहुंचे। मौके से 10 पन्ने का एक पत्र मिला है जिसमें आरोपी ने अवसाद के चलते वारदात करने की बात लिखी है।

अपार्टमेंट की पांचवी मंजिल में रहने वाले डा. सुशील कुमार रायबरेली के ऊसरू के निवासी हैं और रामा मेडिकल कालेज, मंधना में फोरेंसिक मेडिसिन के विभागाध्यक्ष हैं। उनकी 50 वर्षीय पत्नी चंद्रप्रभा शिवराजपुर के प्राइमरी स्कूल में शिक्षिका थीं। 21 वर्षीय बेटा शिखर दिल्ली के इंस्टीट्यूट से इंजीनियरिंग की तैयारी कर रहा था। 16 वर्षीय बेटी खुशी हाई स्कूल की छात्रा थी। शुक्रवार शाम सुशील ने हथौड़े से सिर पर वार के बाद पत्नी, बेटे और बेटी खुशी को गला दबाकर मार डाला। मोबाइल पर आए मैसेज के बाद बड़े भाई कानपुर देहात के रूरा पीएससी में तैनात डा. सुनील घटनास्थल पहुंचे। फोरेंसिक टीम घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही है। बड़े भाई ने बताया कि डिप्रेशन के शिकार सुशील का इलाज चल रहा था। बीते दिनों वह कोरोना के डेल्टा वैरिएंट के आने पर परेशान हो गए थे। अब कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट से परेशान थे। छह माह और हाल में दो दिन पहले भी उन्होंने पत्नी की गला दबाकर हत्या करने का प्रयास किया था।

पुलिस आयुक्त असीम अरुण ने कहा कि आरोपी की तलाश में तीन टीमें लगाई गई हैं। सर्विलांस की भी मदद ली जा रही है। पत्र में आरोपित ने अवसाद में होने की बात लिखी है। फिलहाल कई बिंदुओं पर छानबीन जारी है।

रायबरेली में घर बुलाकर युवक की हत्या

रायबरेली। बहाने से युवक को घर बुलाकर कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने घटना की छानबीन शुरू कर दी है। पीड़ित पिता की तहरीर पर एक महिला, उसके पति व देवर के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। डीह थाने के पूरे रनबहादुर मजरे टेकारी दांदू निवासी अंकित यादव शुक्रवार की रात टेकारी दांदू के दिनेश वर्मा के घर गया था। वहां आरोपियों ने बहाने से उसको घर के अंदर बुला लिया। इस दौरान उसके सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। इसके थोड़ी देर बाद उसकी मौत हो गई। काफी देर बाद भी जब अंकित घर नहीं लौटा तो उसके घरवालों ने तलाश शुरू की। इस दौरान घटना की जानकारी हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पीड़ित पिता शिवबालक यादव की तहरीर पर दिनेश वर्मा, उसकी पत्नी सरोजनी और भाई महेश वर्मा के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना के बाद से सभी आरोपी घर छोड़कर फरार हैं। तलाश के लिए पुलिस टीम लगाई गई है। एसओ रवींद्र सोनकर ने बताया कि नामजद आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें लगा दी गई हैं, जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा।

सरकारी योजनाओं के नाम पर करोड़ों की ठगी, छह गिरफ्तार

» बिहार का रहने वाला है गिरोह का सरगना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह के छह सदस्यों को पुलिस और साइबर सेल ने गिरफ्तार किया है। यह गिरोह प्रतिदिन एक करोड़ से अधिक की ठगी करता था। एक दिसंबर को नगर कोतवाली के बंकी नगर पंचायत के मुहल्ला दक्षिण टोला के मो. मेराज पुत्र रियाज, मो. फुरकान पुत्र मो. इब्राहिम, मो. सुहैल पुत्र मो. समून कोतवाली में तहरीर दी थी। पुलिस अधीक्षक अनुराग वत्स के निर्देश पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

साइबर सेल व कोतवाली नगर पुलिस टीम ने रामनगर के सुढ़ियामऊ के लकी वर्मा, बिहार के चौकटिया थाना मझौलिया के चुन्नू कुमार, सीतापुर निवासी रविंद्र कुमार, रमपुरवा के अमित कुमार को पकड़ा। वहीं सीतापुर के संदीप कुमार, बंकी निवासी हुस्ना उर्फ खुशनुमा को गिरफ्तार किया गया। एसपी अनुराग वत्स ने बताया कि यह एक संगठित गिरोह है। इसका सरगना शाहिद अनवर बिहार के बेतिया बिहार का रहने वाला है। गिरोह के कुछ सदस्य शिविर लगाकर सिम बेचते हैं। वहीं पर ही कुछ कम पढ़े-लिखे लोगों को भ्रम में डालकर एक से अधिक सिम कार्ड एक्टिवेट कर लेते हैं। यह नंबर सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर 10-10 लोगों का समूह बनाकर उनके विभिन्न बैंकों में खाते खोलवा देते हैं। लाटरी, इनाम, दुर्घटना बीमा, लोन आदि का आया पैसा निकाल लेते हैं।

सीएम गहलोत ने पायलट कैंप के मंत्रियों पर कसा तंज

» कहा ये तो छोड़कर गए थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। सीएम निवास पर शुक्रवार को हुई मंत्रिपरिषद की अनौपचारिक बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर पायलट कैंप के मंत्रियों पर निशाना साधा। सूत्रों के मुताबिक, सीएम ने मंत्रियों से कहा कि आप मंत्री इसलिए हैं कि 80 लोग पार्टी छोड़कर नहीं गए। गहलोत ने नाम लेकर कहा कि रमेश मीणा, विश्वेन्द्र सिंह, हेमाराम चौधरी तो छोड़कर गये। रमेश मीणा आज अच्छी बातें करते हैं लेकिन ये भी छोड़कर चले गये थे। गहलोत ने पीसीसी में हुई बैठक में भी बिना नाम लिये पायलट कैंप पर तंज कसा था।

गहलोत ने जब पायलट कैंप के मंत्रियों पर तंज कसा तो उस वक्त कई मंत्री हंसते नजर आए। पायलट कैंप की ओर से मंत्री मुरारीलाल मीणा ने जरूर सीएम से कहा कि मुख्यमंत्री जी अब तो 19-19 बोलना बंद कर दीजिए, अब तो सब बदल चुका है लेकिन गहलोत ने उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया। गहलोत लगातार सचिन पायटल कैंप पर निशाना साधते रहे हैं।

बेरोजगार युवाओं का गुस्सा भाजपा पर पड़ेगा भारी!

» रोजगार नहीं मिलने से आक्रोशित हैं नौजवान

» दस से अधिक नियुक्तियों की परीक्षाएं हो चुकी है लीक

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक के बाद एक परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं। बेरोजगारी के कारण युवाओं का गुस्सा फूट रहा है। अब युवा सीएम और उप मुख्यमंत्री के सामने अपने गुस्से का इजहार करने लगे हैं। क्या ये बेरोजगार युवा भाजपा के लिए चुनाव में बड़ी चुनौती साबित होंगे? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार विनीता यादव, अजय शुक्ला, अशोक वानखेड़े, आईसा के जिला सचिव आदर्श शाही, लेखक रविकांत और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

रविकांत ने कहा, सीएम का व्यवहार नौजवानों के प्रति हमेशा से खराब रहा है। उन्होंने टिप्पणी की थी कि लोगों में काबिलियत नहीं है, यहां तो रोजगार बहुत है। दस नियुक्तियों की परीक्षाएं अब तक रद्द हो चुकी है। लगता है कि सरकार जानबूझकर ऐसा कर रही है। सीएम योगी कह रहे हैं कि बैनर नीचे रखो वरना हमेशा के लिए बेरोजगार हो जाओगे। यह सीएम की भाषा है। आदर्श शाही ने कहा कि साढ़े चार साल किसी को रोजगार नहीं मिला है। लोगों के आंदोलन इसकी पुष्टि करते हैं। युवाओं में सरकार को लेकर बेहद गुस्सा है। युवाओं में आक्रोश है। इस बार वे भाजपा को सत्ता से बाहर कर देंगे। विनीता यादव ने कहा, लॉकडाउन में हजारों लोग दिल्ली से यूपी पहुंचे लेकिन सरकार ने नौकरी नहीं दी। युवा केवल रोजगार ही तो मांग रहे हैं। राष्ट्रपति के सामने विरोध प्रदर्शन तक किया गया। यह बेहद चिंताजनक है। अशोक वानखेड़े ने कहा, लाशें फेंकने और दीया जलाने का रोजगार तो दिया गया। अगर रोजगार दिए गए होते तो यूपी की चालीस फीसदी जनता गरीबी रेखा के नीचे नहीं होती। यूपी देश में गरीबी में तीसरे नंबर पर है। अजय शुक्ला ने कहा, निश्चित रूप से बेरोजगार युवा बेहद आक्रोशित है। इसका चुनाव में सरकार को खामियाजा उठाना पड़ेगा।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

कोरोना के नए वेरिएंट पर यूपी में अलर्ट, विदेश से आने वालों पर नजर

जीनोम सिक्वेंसिंग की रफ्तार तेज, रेलवे व बस स्टेशनों पर जांच शुरू, स्वास्थ्य विभाग ने गठित की टीम, अतिरिक्त स्टाफ तैनात

गीताश्री

लखनऊ। देश में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन की दस्तक के बाद उत्तर प्रदेश सरकार अलर्ट हो गयी है। प्रदेश की सभी सीमाओं और विदेश से आने वाले लोगों पर खास निगरानी रखी जा रही है। वहीं रेलवे और बस स्टेशनों पर जांच के निर्देश दिए गए हैं। केंद्र की गाइडलाइन के मुताबिक फिलहाज जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए एनबीआरआई व सीडीआरआई की लैब में जांच को नमूने भेजे जाएंगे।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य महानिदेशक डा. वेदब्रत सिंह ने मुताबिक कंसोर्टियम में उप्र में इसमें एनबीआरआई व सीडीआरआई की लैब शामिल हैं। ऐसे में अब विदेश से आने वाले लोगों की जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए सैंपल इन दो लैब में भेजने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अभी तक सैंपल केजीएमयू व संजय गांधी पीजीआइ जांच के लिए भेजे जा रहे थे लेकिन आगे इन दो लैब में जांच होगी। विदेश से आ रहे नागरिकों की कोरोना जांच निगेटिव आने पर भी उन्हें सात दिन होम क्वारंटाइन रहने के निर्देश दिए गए हैं। विदेश से आने वाले इन लोगों व उनके घर वालों की सेहत की रिपोर्ट इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर की मदद से लिए जाएंगे। रैपिड रिस्पांस टीम का गठन सभी जिलों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य केंद्रों में अतिरिक्त स्टाफ तैनात किया गया है।

इनको रखा गया तैयार

केजीएमयू, संजय गांधी पीजीआई, मेरठ मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर मेडिकल कॉलेज व झांसी मेडिकल कॉलेज, बीएचयू आईएमएस, राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान और इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलाजी (आईजीआईबी) नई दिलली में भी जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए तैयार रखा गया है। आगे मरीजों की संख्या बढ़ने पर सैंपल इन लैब में भी भेजे जाएंगे।

मेरठ में विदेश से आए 10 यात्री लापता

मेरठ। भारत में कोरोना का ओमिक्रॉन वेरिएंट दस्तक दे चुका है लेकिन लापरवाही ने इसका खतरा और बढ़ा दिया है। विदेश से मेरठ लौटे 10 से ज्यादा यात्रियों की जानकारी नहीं मिलने के कारण प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए हैं। प्रशासन ने ऐसे यात्रियों की जानकारी लेने के लिए एलआईयू की टीम लगाई है। मंडलीय सर्विलांस अधिकारी डा. अशोक तालियान ने बताया कि 24 नवंबर से दो दिसंबर तक विदेश से 295 लोग मेरठ पहुंचे हैं। नागरिक उड्डयन विभाग ने प्रदेश को विभिन्न जिलों में पहुंचे यात्रियों की जानकारी दी, जहां से मेरठ 107, 80 और 109 यात्रियों की तीन सूची भेजी जा चुकी है। सर्विलांस टीम ने जब यात्रियों की सैंपलिंग के लिए संपर्क किया तो कई के पते गलत मिले। उनके फोन नंबर नौ अंकों के थे जबकि कई अन्य जानकारियां भी छिपाई गईं। सीएमओ डा. अखिलेश मोहन ने बताया कि कई यात्रियों के बारे में जानकारी नहीं मिल रही है जबकि उनकी कोविड जांच जरूरी है। विशेषज्ञों को विदेश से आने वालों के साथ संक्रमण भारत तक पहुंचने की आशंका है। सीएमओ ने बताया कि डेल्टा वेरिएंट की आर नाट वैल्यू 1.6 थी, जो ओमिक्रॉन में बढ़कर 2.0 हो चुकी है। विदेश से वापस आए यात्रियों से बड़ी संख्या में संक्रमण फैल सकता है।

लीडरशिप पैदा करने की नर्सरी को बंद कर दिया गया : रामगोपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजनीति की नर्सरी कहे जाने वाले इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव पर प्रतिबंध लगाए जाने को लेकर छात्रनेता आंदोलनरत हैं। वहीं राजनीतिक दलों का भी उन्हें समर्थन प्राप्त हो रहा है। अब छात्रसंघ बहाली का मसला संसद में भी गूंजा। फतेहपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद विशंभर प्रसाद निषाद ने संसद में इस मसले को संसद में उठाया तो सपा सांसद प्रो. राम गोपाल यादव ने भी इसका समर्थन किया।

राजसभा सदस्य प्रो. रामगोपाल यादव ने समर्थन करते हुए कहा छात्रसंघ पर पाबंदी लगाने का मतलब क्या है। यह नर्सरी है लीडरशिप पैदा करने की और उसे बंद किया गया है। सांसद विशंभर प्रसाद निषाद ने कहा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 500 दिन से छात्रसंघ बहाली के लिए छात्र अनशनरत हैं। विवि के गौरवशाली छात्रसंघ ने देश को कई राजनेता, शिक्षाविद, संविधानविद दिए हैं। इसके बाद भी विवि प्रशासन ने असंवैधानिक तरीके से छात्रसंघ चुनाव कराने पर रोक लगा रखी है।

राजनीति की नर्सरी से जनेश्वर मिश्र, मोहन सिंह, बृजभूषण तिवारी, बीपी सिंह, चंद्रशेखर सिंह, शंकर दयाल शर्मा, गोपाल स्वरूप पाठक, सूर्य बहादुर थापा, गुलजारी लाल नंदा समेत तमाम शिक्षाविद और संविधानविद निकले हैं। उन्होंने अपनी पहचान बनाई है।

इलाहाबाद विवि छात्रसंघ बहाली का मसला संसद में गूंजा

सांसद ने छात्रसंघ चुनाव कराने की बात कही

सांसद ने कहा कि 17 सितंबर को केंद्रीय शिक्षा मंत्री गए भी थे। बच्चे अपने हाथों में रस्सी बांधकर फूल लेकर मिलना चाहते थे लेकिन उन पर लाठीचार्ज कर दिया गया और नहीं मिलने दिया गया। बाद में सर्किट हाउस में मंत्री से छात्रों की मुलाकात हुई और उन्होंने आश्वासन भी दिया गया कि छात्रसंघ बहाल कराएंगे। हालांकि अभी तक छात्रसंघ बहाली नहीं कराई गई। ऐसे में उन्होंने चुनाव कराने की मांग की।

राहुल और प्रियंका गांधी के बीच कोई झगड़ा नहीं : बघेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक कार्यक्रम में मंच से केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। साथ ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी से जुड़े मसलों पर भी अपनी बात रखी। भूपेश बघेल ने साफ कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी, दोनों भाई-बहन के बीच कोई झगड़ा नहीं है।

बघेल ने कहा राहुल गांधी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। प्रियंका गांधी को यूपी की जिम्मेदारी दी गई है। वो पूरी शिद्दत के साथ जो जिम्मेदारी दी गई है, उसे निभाने में जुटी हुई हैं। भूपेश बघेल ने ये भी कहा कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव प्रियंका गांधी के नेतृत्व में ही लड़ रही है। प्रियंका गांधी के नेतृत्व में जिला, ब्लॉक, न्याय पंचायत स्तर पर भी हमने संगठन के ढांचे को खड़ा किया। हम इसी संगठन के बल पर हम चुनाव लड़ेंगे। भूपेश बघेल ने यूपी के चुनाव को लेकर एक सवाल के जवाब में कहा कि कुछ साल पहले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) भी चौथे नंबर पर थी। उन्होंने कहा कि ये तो रोटेशन है। जनता ने सबको परखा, अब हमारी बारी है।

उत्तराखंड में मोदी का शंखनाद, दी सौगात

पीएम के तरकश में हो सकते हैं विपक्ष को असहज करने वाले तीर

रैली का विरोध कर रहे एनएसयूआई कार्यकर्ता गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तराखंड में सत्तारूढ़ भाजपा को चुनावी वैतरणी पार करने के लिए मोदी मैजिक की दरकरार है। विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के पक्ष में वातावरण बनाने के लिए भाजपा ने आज देहरादून के परेड मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा रखी है। पिछले पौने दो महीने में प्रधानमंत्री तीसरी बार उत्तराखंड पहुंचे हैं, लेकिन इस बार उनका यह दौरा राजनीतिक है। पीएम मोदी जनसभा के लिए परेड मैदान पहुंच गए हैं। यहां वे पहले प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। इसके बाद पीएम मोदी प्रदेश में 18 हजार करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी वायु सेना के विमान से करीब एक बजे जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे। यहां भाजपा नेताओं व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम चंद अग्रवाल, डीजीपी अशोक कुमार और मुख्य सचिव एस एस संधू ने उनका स्वागत किया। एनएसयूआई ने पीएम मोदी के दौरे का विरोध किया है। कार्यकर्ता डीएवी पीजी कॉलेज से परेड ग्राउंड के लिए काले झंडे लेकर निकले। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी गो बैक के नारे भी लगाए। वहीं अधिक भीड़ बढ़ती देख पुलिस ने कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया।

विधानसभा चुनाव में भाजपा के सामने कांग्रेस की सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौती है। जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्ष और खास तौर पर कांग्रेस को निशाना बना सकते हैं। यह देखना दिलचस्प रहेगा कि वह कांग्रेस के किन नेताओं को निशाने पर रखते हैं। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पिछले दिनों जब एक कार्यक्रम देहरादून आए थे, तो जनसभा के दौरान उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष हरीश रावत को टारगेट किया था।

2025 में नया उत्तराखंड बनाने का सपना दिखा चुके हैं मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब केदारनाथ की यात्रा पर आए थे, उस दौरान एक जनसभा में उन्होंने 2025 तक प्रदेश को नया उत्तराखंड बनाने का सपना दिखाया था। उन्होंने कहा कि अगला दशक उत्तराखंड का होगा। उस वक्त उन्होंने संकेतों और प्रतीकों में

अमेठी में पांच लाख से ज्यादा राइफल उत्पादन को मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की तरफ एक और कदम बढ़ाते हुए शनिवार को केंद्र सरकार ने अमेठी में पांच लाख से अधिक एके-203 असॉल्ट राइफलों के उत्पादन योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत अमेठी जिले के कोरवा में राइफल कारखाना स्थापित किया जाएगा, जहां पांच लाख से ज्यादा एके-203 असॉल्ट राइफलों का उत्पादन होगा।

एएनआई के मुताबिक यह योजना भारत और रूस के आपसी सहयोग से पूरी होने वाली है। इंडो-रसियन राइफल प्राइवेट लिमिटेड के तहत इन असॉल्ट राइफलों का उत्पादन किया जाएगा। 7.62 एक्स 39एमएम कैलिबर वाली एके-203 असॉल्ट राइफल तीन दशक से अधिक समय से शामिल इंसास राइफल की जगह लेने वाली है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक पहली 70 हजार राइफल की खेप में रूसी कलपुर्जे लगे होंगे। इसके बाद पूरी तरह से यह राइफल स्वदेशी हो जाएगी। एके-203 असॉल्ट राइफल को इस तरह से डिजाइन किया गया है, जिससे यह सुरक्षाकर्मियों के लिए अनुकूल बन सके।

अयोध्या पहुंची केजरीवाल की तीर्थ यात्रा ट्रेन

स्टेशन पर गाजे बाजे के बीच यात्रियों का किया गया भव्य स्वागत

श्रद्धालुओं ने अरविंद केजरीवाल को दी दुआएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। दिल्ली सरकार की तीर्थ यात्रा स्पेशल ट्रेन आज सुबह आठ बजे रामनगरी के अयोध्या जंक्शन पहुंची। स्टेशन पर गाजे बाजे के बीच यात्रियों का रेलवे की ओर से भव्य स्वागत किया गया। स्टेशन अधीक्षक विनोद कुमार ने फूल मालाओं से स्वागत किया। श्रद्धालुओं में अयोध्या पहुंचने का काफी उत्साह दिखा। जय श्रीराम के उद्घोष के बीच यात्रियों ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के प्रति धन्यवाद भी ज्ञापित किया। रामलला की झलक पाने को श्रद्धालु व्याकुल दिखे। ट्रेन में दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से एक हजार श्रद्धालु शामिल हैं।

गत दिनों रामनगरी पहुंचे मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली वासियों को रामनगरी की नि:शुल्क धार्मिक यात्रा कराने की घोषणा की थी। अपनी घोषणा के क्रम में केजरीवाल की पहली तीर्थ यात्री स्पेशल ट्रेन यहां पहुंची है। रविवार को दोपहर बाद ट्रेन अयोध्या जंक्शन से वापस दिल्ली के लिए रवाना होगी। ट्रेन में अधिकांश यात्री ऐसे हैं, जिन्होंने पहली बार अयोध्या की यात्रा की है। 20 डिब्बों वाली ट्रेन के सभी कोच वातानुकूलित हैं। अयोध्या में रामलला का दर्शन करने के साथ श्रद्धालु हनुमानगढ़ी, सरयू आरती में भी दर्शन पूजन करेंगे। कल दिल्ली के मुख्यमंत्री ने इस ट्रेन को अयोध्या के लिए रवाना किया था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।